

about to e. : विवक्षितां गिरम्, Si. V. To send : q.v. :
 विसृजति (सृज्, c. 6.). VI. To represent : q.v.
 EXPRESS (adj.) : I. Explicit, plain : q.v. : स्पष्टः
 (ष्टा, ष्टं). II. Special : विशिष्टः (ष्टा, ष्टं), *e.*
messenger : विशिष्टवार्तावाहकः.
 EXPRESS (subs.) : I. A courier : जङ्घाकरिकः. II.
 An *e. train* : *विशिष्टयानावलिः.
 EXPRESSIBLE : I. What can be declared : (1)
 कथनीयः (या, यं); (2) आख्येयः (या, यं). II.
 What can be squeezed : निष्कर्षणीयः (या, यं).
 EXPRESSION : I. Pressing out : (1) निष्कर्षणम्;
 (2) निष्पीड्य ग्रहणम्. II Declaration : (1) कथनम्;
 (2) स्थापनम्. III. Significance : indication :
 व्यञ्जनम्. IV. Look : q.v. V. Phrase : वाक्यम्,
here the fault is of e. : अत्र वाक्यस्यैव दोषः, Kav.
 VI. In arith : राशिः.
 EXPRESSIVE : I. Lit. : (1) व्यञ्जकः (f. झिका)
 (=indicative), *e. of shame* : ब्रीडाव्यञ्जकः, Kav.;
 (2) वाचकः (f. चिका) (=denoting), *day is not e.*
of light : दिनमिति प्रकाशमयमित्यर्थेऽवाचकम्, Kav.
 II. Significant : q.v. अर्थवत् (f. ती).
 EXPRESSIVENESS : (1) व्यञ्जकता; (2) वाचकत्वम्;
 (3) अर्थवत्ता : v. Above.
 EXPRESSLY : (1) स्पष्टम्; (2) मित्रार्थम् : v. Expli-
 citly, plainly.
 EXPUGN : विजयते (जि, c. 1.) : v. To conquer.
 EXPUGNER : जेतु (f. त्री) वि- : v. Conqueror.
 EXPULSION : (1) निरसनम्; (2) निःसारणम्; (3)
 निर्वासनम्.
 EXPULSIVE : (1) निःसारिन् (f. णी); (2) by comp.,
e. power : निरसनशक्तिः.
 EXPUNGE : उन्मार्ष्टि or मार्जयति (मृज्, c. 2. and
 10.) : v. To blot out, erase.
 EXPURGATE : पुनाति (पू, c. 9.) : v. To purge,
 purify.
 EXPURGATORY : पावनः (नी, नं). Ph. : *e. index* :
 *निषिद्धपुस्तकनामावलिः.
 EXQUISITE (adj.) : I. Excellent : अत्युत्तमः (मा,
 मं). II. Most delightful : अतिरम्यः (म्या, म्यं);
 मनोहारिन् (f. णी) : v. Delightful, charming.
 III. Extreme : q.v. : परमः (मा, मं).
 EXQUISITELY : expr. by adj. : v. Also extreme-
 ly; well.

EXQUISITENESS : I. Lit. : (1) अत्युत्तमता; (2)
 अतिरमणीयता; etc. II. Extremity : expr. by
 परमः (मा, मं). III. Sharpness : तीव्रता.
 EXSICCATE : शोषयति (c. of शुष्) : v. To dry.
 EXSICCATION : शोषः or शोषणम्, उत्-, वि-, परि-, सं-.
 EXSICCATIVE : (1) शोषिन् (f. णी), वि-, परि-; (2)
 विशोषण (f. णी).
 EXTANT : I. Protruded : बहिर्गतः (ता, तं). II.
 Not lost : विद्यमानः (ना, नं).
 EXTASY, EXTATIC : v. Ecstasy, ecstatic.
 EXTEMPORANEOUS, EXTEMPORARY : (1) तत्क्षण-
 कल्पितः (ता, तं) (?); (2) तत्क्षणविहितः (ता, तं)
 (?); (3) तत्कालकृतः (ता, तं) (?).
 EXTEMPORE (adv.) : expr. by adj., *delivered an*
address e. : *तत्क्षणविहितां वक्तृतामुदीरयामास.
 EXTEND (v.t.) : (1) विस्तारयति (स्तृ, c. 10.), *amass-*
ing fame, e.ing excellencies : उपचिन्वन् यशः,
 विस्तारयन् युषान्, K. ; (2) तनोति, वि-, प्र-, (तन्,
 c. 8.), *to e. fame* : यशस्तनोति, Ki. ; (3) प्रसारयति
 (c. of स्र) (=to stretch), *who would e. (his)*
hand : कः क्वं प्रसारयेत्, Ku.
 EXTEND (v.i.) : (1) विस्तीर्यते (pass. of स्तृ); (2)
 वितन्यते (pass. of तन्); (3) विस्तृतः or विततः
 (ता, तं) भवति : v. To spread, increase.
 EXTENDIBLE, EXTENSIBLE, EXTENSILE : (1)
 विस्तारणीयः (या, यं); (2) विस्तारक्षमः (मा, मं);
 (3) by circumlo.
 EXTENSION : (1) विस्तारः (best equiv.); (2)
 विस्तीर्णता; (3) विस्तृतिः; (4) विततिः; (5) प्रततिः;
 (6) विस्तरः.
 EXTENSIVE : विस्तीर्ण (f. णी), *the sea-garmented*
(earth) is e. : विस्तीर्णेयमर्णवाम्बरा, D. ; *news of*
Kusumapura is e. : विस्तीर्णः कुसुमपुरवृत्तान्तः, Ku. v.
 Large, wide.
 EXTENSIVELY : (1) विस्तीर्णम्; (2) विस्तरेण; (3)
 विस्तरशः.
 EXTENSIVENESS : विस्तीर्णता : v. Largeness, wide-
 ness.
 EXTENT : विस्तारः, *a Yojana in e.* : योजनविस्तारः
 (रा, रं). Ph. : *to a great e.* : अतिमात्रम् : v. Exceed-
 ingly; *to such an e.* : एतावत् : v. Much, so; *to*
a slight e. : ईषत् : v. Little.
 EXTENUATE (v.t.) : I. To thin : ऽ.v. : कर्शयति